This question paper contains 2 printed pages.

Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121301102**
Title of the Paper	**:**	**साहित्यशास्त्र: साहित्यदर्पण**
		Sāhityaśāstra: Sāhityadarpaṇa
Name of the Course	**:**	**M.A., Sanskrit (LOCF), Examination, Jan 2024**
Semester	**:**	**I**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।
Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit**, Hindi, or English, but the same medium should be used throughout the paper.

1. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए। 7x4 = 28

   Explain the following:

   i. चतुर्वर्गफलप्राप्तिः सुखादल्पधियामपि।
   काव्यादेव यतस्तेन तत्स्वरूपं निरूप्यते॥

   अथवा/OR

   दोषास्तस्यापकर्षकाः।

   ii. वर्णाः पदं प्रयोगार्हानन्वितैकार्थबोधकाः।

   अथवा/OR

   तत्र संकेतितार्थस्य बोधनादग्रिमाऽभिधा।

   iii. करुणादावपि रसे जायते यत्परं सुखम्।
   सचेतसामनुभवः प्रमाणं तत्र केवलम्॥

   अथवा/OR

   शिक्षाभ्यासादिमात्रेण राघवादेः सरूपताम्।
   दर्शयन्नर्तको नैव रसस्यास्वादको भवेत्॥

iv. दृश्यश्रव्यत्वभेदेन पुनः काव्यं द्विधा मतम् ।
दृश्यं तत्राभिनेयं तद्रूपारोपात्तु रूपकम् ।।

अथवा/OR

नटी विदूषको वापि पारिपार्श्विक एव वा ।
सूत्रधारेण सहिताः संलापं यत्र कुर्वते।।

2. अधोलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए जिनमें से **एक** का **संस्कृत** में होना **अनिवार्य** है । 5+5+5+7 =22
Write short notes on the following, **one** of which must be in **Sanskrit**.
   i. विधेयाविमर्शदोष **अथवा/OR** रीतिरात्मा काव्यस्य
   ii. महावाक्य **अथवा/OR** व्यञ्जना
   iii. साधारणीकरण **अथवा/OR** गुणीभूतव्यंग्य
   iv. चूलिका **अथवा/OR** महाकाव्य

3. विश्वनाथ द्वारा प्रतिपादित काव्यलक्षण वाक्यं रसात्मकं काव्यम् की विस्तृत समीक्षा कीजिए । 10
Critically review the Kavyalakshan 'Vākyaṃ rasātmakam kāvyam propounded by Vishwanath.

अथवा/OR

लक्षणा के सामान्य स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके सारोपा तथा साध्यवसाना भेदों को सोदाहरण समीक्षा कीजिए ।
Explaining the general definition of the Lakshanā and analyze the differences between Sāropā and Sādhyavasānā with example.

4. आचार्य विश्वनाथ के अनुसार ध्वनि के सामान्य स्वरूप एवं उसके अठारह मुख्य प्रकारों को स्पष्ट कीजिए इनमें से किन्हीं पाँच प्रकारों का स्पष्टीकरण साहित्यदर्पण के उदाहरणों से समर्थित होना चाहिए । 10
According to Acharya Vishwanath, explain the general nature of Dhvani and its eighteen main types. The explanation of any five of these types should be supported by examples of Sāhityadarpaṇa.

अथवा/OR

साहित्यदर्पण के अनुसार नाटक की सविस्तृत विवेचना कीजिए ।
Analyse the Nātaka in detail according to the Sāhityadarpaṇa.